Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY) – 12

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Neelesh Ahirwar **Mobile Number:** .

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: **UPSC Roll No.:** 0414629

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		65
खंड-B Section-B		69
सकल योग (Grand Total)		134

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

→ दोनो निबंध हल करने का प्रयास सराहनीय है।

→ You are doing well, keep it up, Best wishes

खंड-A/SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. समाज पर मेटावर्स का प्रभाव: वरदान या अभिशाप?
   The impact of the Metaverse on society: Boon or Bane?
2. अर्थव्यवस्था पर्यावरण की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, इसके विपरीत नहीं।
   The economy is a wholly owned subsidiary of the environment, not the other way around.
3. कविता इतिहास की अपेक्षा जीवन्त सत्य के अधिक निकट है।
   Poetry is nearer to vital truth than History.
4. दुनिया एक किताब है और जो लोग यात्रा नहीं करते, वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।
   The world is a book and those who do not travel, read only a page.

कविता इतिहास की अपेक्षा जीवन सत्य के अधिक निकट है। ✓

कविता या साहित्य राजनीति व समाज में पीछे-पीछे चलने वाली कोई वस्तु नहीं है, न ही वह ऐसी वस्तु है जो समाज से इर एकांत में अपने आप में मग्न हो।

कविता या साहित्य का दर्जा इतना न गिराइए, बल्कि कविता या साहित्य तो वह समाज व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीति के आगे - आगे मशाल लेकर चलने वाली वह शक्ति है जो विपरीत परिस्थितियों में भी आइना दिखाकर, मार्गप्रशस्त करने में पीछे नहीं छूटती।

यहाँ घट भूमिका समाप्त हो वहाँ topic से connect कीजिए

इसी परिप्रेक्ष्य में कहा जाता है कि कविता इतिहास की अपेक्षा जीवन सत्य के अधिक निकट है। उपरोक्त वाक्य के अर्थ को समझने के लिए आवश्यक होगा कि कविता-इतिहास का अर्थ समझना, उनका अंतर्संबंध समझना।

कविता का सरल व सहज अर्थ है - संवेदना से युक्त वाक्यों का समूह। जबकि इतिहास का संबंध भूतकाल में घटित घटनाओं की तथ्यात्मक तथा विवरणात्मक जानकारी से।

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस निबंध में कविता का अर्थ महज साहित्य की एक विधा 'कविता' न होकर संपूर्ण साहित्य मानना अधिक सुसंगत होगा।

अब प्रश्न है कि साहित्य व इतिहास में आखिर अंतर क्या होता है? साहित्य, इतिहास की तुलना में जीवन सत्य के अधिक निकट कैसे है, यहाँ पर जीवन सत्य के अर्थ को समझना भी अपरिहार्य होगा।

इतिहास व साहित्य के संबंध में एक प्रसिद्ध कहावत है कि - इतिहास में तिथि व घटनाओं के अलावा अन्य सबकुछ झूठ होता है जबकि साहित्य में तिथि व घटनाओं के अलावा सबकुछ सत्य।

अधिकांशतः ज्यादा उचित शब्द है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये पर नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अगर ऐसा है तो वह कौशल जीवन जीवन सत्य है जिसके सबसे निकट इतिहास नहीं होता है और क्यों?

जीवन सत्य का वस्तुनिष्ठ होने के स्थान पर आत्मनिष्ठ है फिर भी इतना तो व्यापक अर्थ में कहा जा सकता है कि वह इतिहास जीवन सत्य के निकट कहलाएगा जो आम जन की संवेदनाओं, परिस्थितियों व समस्याओं को चित्रित करेगा।

यहाँ जीवन सत्य का अर्थ समाज-राष्ट्र की यथार्थपूर्ण स्थितियों का यथार्थपूर्ण वर्णन से है। उदाहरण के लिए अक्सर इतिहास में असमान वर्णन मिलता है जहाँ अधिकांशतः राजा का तथ्यात्मक विवरण होता है किंतु जनता की चित्तवृत्तियों का नहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अब प्रश्न है कि इतिहास जीवन सत्य के अधिक निकट नहीं होता है ?

इसका कारण है इतिहास सदैव लिखने वाले व्यक्ति व समाज के दृष्टिकोण से सीमित होता है। विषयवस्तु व सामाजिक स्थितियों का विवरण लिखने वाले पर निर्भर करता है। अधिकांशतः इतिहास हमें वह प्राप्त होता है जिसमें किसी राजा ने विजय प्राप्त की हो, कोई महान कार्य किया हो। किंतु इसमें सदैव संभावना एक पक्ष के हावी रहने की होती है; पराजय पक्ष के विचारों का समावेशन, उनका सत्य वंचित रह जाता है।

इसका ही उदाहरण है ब्रिटिशों का उपनिवेशकालीन इतिहास।

औपनिवेशिक दृष्टिकोण के अनुसार

अच्छा आयाम है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंग्रेजों ने भारत पर शासन, भारत के उद्धार करने के लिए किया था।

जबकि भारतीय इतिहास के अनुसार अंग्रेजों ने अपने स्वार्थों के हितों की पूर्ति हेतु भारत के संसाधनों व लोगों का शोषण किया।

इस प्रकार इतिहास सत्तावर्ग केन्द्रित नजरिये से लिखे जाने के कारण मात्र एक पक्ष को ही समाहित कर पाता है।

अब प्रश्न है कि कविता या साहित्य कैसे जीवन ~~साहि~~ सत्य के अधिक निकट होता है? और क्यों?

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार किसी भी देश का साहित्य, वहाँ की जनता की चित्तवृत्तियों का संचित प्रतिबिम्ब

हिंदी साहित्येतिहासकार

आम व्यक्ति को पता नहीं होगा शुक्ल कौन है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

होता है।

सरल शब्दों में कहें तो साहित्य अपने आप में समाज की सूक्ष्म से-सूक्ष्म समस्या तक अपनी कलम ले जाता है तथा समाज में व्याप्त सभी विडंबनाओं, सभी असमानताओं व भावनाओं को संवेदना के साथ व्यक्त करने में सक्षम होता है।

इतिहास व साहित्य में मुख्य अंतर यही है इतिहास प्रमुखतः आभिजात्य वर्ग को महत्व देता है जबकि साहित्य पृथ्वी के चर-अचर जीवों से लेकर पंक्तियों तक पाठक को यात्रा करा देता है।

साहित्य या कविता सत्य के नजदीक इसलिए भी होती है कि वह

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

समाज के सच को अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। उदाहरण 'गोदान' उपन्यास में प्रेमचन्द ने तत्कालीन कृषक जीवन के सत्य को यथार्थ रूप में उकेरा है। जिसमें गरीबी, ऋणग्रस्तता से लेकर अस्पृश्यता, बाल विवाह, मानसिक तनाव जैसे जीवन के तमाम सत्य पाठक को तत्कालीन यथार्थ जीवन से अवगत कराते है।

साहित्य में ऐसा ही सच जो जीवन के निकट है कबीर की पंक्तियों से लेकर नागार्जुन की कविताओं तक अनवरत रूप से दिखता है जिसमे जातिव्यवस्था, आडम्बर, शोषण जैसे जीवन सत्यों पर प्रकाश डाला गया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

"कविता" पर निबंध लिखना है तो उदाहरण देकर तर्क सिद्ध करना चाहिए

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अब प्रश्न है साहित्य या कविता मात्र सत्य को व्यक्त ही करती है या इसकी भूमिका इससे भी अधिक है ?

वस्तुतः साहित्य का उद्देश्य समाज को आइना दिखाना मात्र नहीं है, बल्कि ऐसे पथ मार्ग को दिखाना भी है जिसमे समाज, एक अच्छे समाज बनने की ओर अग्रसर हो। 'जायसी' जैसे सूफी कवियों ने मानव जीवन को प्रेम मार्ग पर चलने का कहा है -

"मानुस प्रेम भएउ बैकुण्ठी,
नाहिं त काह छार एक मूठी"

वहीं कबीर समानता व दया अपनाने हेतु प्रेरित करते है कि -

"साईं के सब जीव है, कीरी कुंजर दोय।"

फोकट-पाखंड ज्योः के .... पाखण्डवादी समाज का वर्णन

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रश्न है कि क्या सदैव ही कविता जीवन सत्य के नजदीक होती है?

ऐसा सर्वथा सत्य नहीं है, कभी साहित्य पर स्वहित व लालच हावी हो जाता है, तब-तब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, साहित्य जीवन सत्य से हटकर संकीर्ण भावनाओं की अभिव्यक्ति मात्र तक सीमित हो जाता है। इसका ही उदाहरण है हिन्दी साहित्य में रीतिकाल। इसकाल में समाज व वंचित वर्ग हाशिए पर तथा शृंगार व विलासिता के भाव केन्द्र में आ गए थे।

इस प्रकार कविता सदैव सत्य को प्रकट नहीं करती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किंतु यह कविता या साहित्य की सीमा अल्पांश में है, अधिकांश साहित्य की भूमिका समाज को सही दिशा में प्रेरित करने की रही है, जिसमें व्यक्ति समाज के इतर यथार्थ को वर्णित मिलता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में सामान्यतः कहा जा सकता है कि इतिहास संपूर्ण व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की भावनात्मक व यथार्थ रूप में वैसी अभिव्यक्ति करने में समर्थ नहीं होता है जैसी साहित्य में संभव होती है।

साहित्य अपनी इसी भूमिका के कारण इस सम्मान का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

भागीदार बनता है कि वह जीवन सत्य के अधिक निकट होता है। साहित्य का समाज में योगदान व उसकी प्रासंगिकता नितांत अपरिहार्य है जो हमें सत्य-असत्य, अच्छे-बुरे का अन्तर कराकर, सही मार्ग प्रशस्त कर सके।

साहित्य के इसी संदर्भ में कहा जा सकता है कि-

"इस पथ का उद्देश्य नहीं है श्रांत भवन में टिके रहना बल्कि जाना उस सीमा तक जिसके आगे राह नहीं।"

→ विश्लेषण अच्छा है।
→ ऐसे topic में अच्छी प्रासंगिक कविताओं की पंक्तियां लिखी जा सकती थीं

65/125

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. स्वतंत्र प्रेस अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से स्वतंत्रता के बिना, प्रेस बुरा ही होगा।

   A free press can be good or bad, but most certainly without freedom, the press will never be anything but bad.

6. G-20 वसुधैव कुटुम्बकम् को प्राप्त करने का मार्ग।

   G-20 The way to achieve Vasudhaiva Kutumbakam.

7. धैर्य बुद्धि का मार्ग है।

   Patience is the road to wisdom.

8. अच्छी बाड़ें, अच्छे पड़ोसी बनाती हैं।

   Good fences make good neighbours.

धैर्य बुद्धि का मार्ग है

यह बात है सन् 2011 की। एक अकेली लड़की रात के समय लखनऊ से दिल्ली जाने वाली ट्रेन में सफर कर रही थी। अचानक आधी रात को ट्रेन में कुछ लुटेरे चढ़ते हैं और लूटपाट शुरू कर देते हैं। इसका विरोध उस लड़की द्वारा किए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जाने पर लुटेरे उसका सामान छीन कर उसे ट्रेन के कोच से बाहर फेंक देते हैं, इतने में ही दूसरी पटरी पर आ रही ट्रेन के नीचे उसका एक पैर आ जाने से वह सदैव के लिए एक पैर से वंचित हो जाती है।

समय बीतता जाता है, अस्पताल व प्रशासन के चक्कर लगा लगा कर वह हताश तो होती है किन्तु धैर्य नहीं खोती। और अंतत अपने एक नकली पैर के साथ हिम्मत करके धैर्य के साथ विश्व की सबसे जटिल व सबसे ऊँची पर्वत माउंट एवरेस्ट फतह करने की कोशिश शुरू करती है। और अंतत: धैर्य के साथ इसमें सफल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रासंगिक Story से भूमिका शुरू करना अच्छा प्रभाव डालती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भी होती है।

यह कहानी है विश्व की प्रथम विकलांग पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा की।
जिन्होंने जीवन की कठिनाइयों को अपने धैर्य व साहस के समक्ष नतमस्तक होने पर मजबूर कर दिया।

कहा जाता है कि धैर्य बुद्धि का मार्ग है।

धैर्य का तात्पर्य विपरीत व जटिल परिस्थितियों में भी समभाव की स्थिति बनाए रखना, नित नए संघर्षों के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसित रहना धैर्य है। धैर्य व्यक्ति को घोर निराशा के अंधकार से निकालकर आशावादी राह प्रदान करता है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यह धैर्य ही है जो समस्याओं व आई विपत्तियों को विस्तारपूर्वक तथा विश्लेषण के साथ समझने में सहायक होता है। धैर्य का अभाव व्यक्ति या समाज को हिंसक, असहिष्णु ~~तथा~~ बना सकता है तथा मार्ग व लक्ष्य प्राप्ति की दिशा से विचलित कर सकता है।

अब प्रश्न है धैर्य बुद्धि का मार्ग क्यों है?

कोई भी व्यक्ति या समाज अपने दिन-प्रतिदिन के निर्णयों में बुद्धि का प्रयोग करता है किंतु यदि बुद्धि प्रयोग की दिशा में धैर्य का अभाव होगा तो वह हड़बड़ाहट, व बैचेनी

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से प्रेरित निर्णय लेने को बाध्य करेगा। धैर्य के बिना लिए गए निर्णयों में समग्र चिंतन व पक्ष-विपक्ष का विश्लेषण छूट सकता है। लेकिन धैर्य के साथ बुद्धि का प्रयोग सत्य व बेहतर मार्ग की ओर अग्रसित करता है।

उदाहरण वर्तमान में श्रीलंका संकट का मुख्य कारण धैर्य का अभाव ही है, धैर्य के अभाव में तीव्र विकास की चाह, तीव्रता से कृषि सुधार में जैविक खेती अपनाना इसके प्रमाण है।

Relevant Point

वहीं दूसरी ओर भारत भी जैविक कृषि के मार्ग पर है किंतु भारत में धैर्य के साथ वास्तविकता से

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रू-ब-रू होते हुए, जैविक कृषि को युक्तिसंगत रूप में अपनाया जा रहा है।

जब सन् 1991 के आर्थिक संकट के दौरान भारतीय विदेशी मुद्रा कोष तीन सप्ताह के आयात हेतु भी पर्याप्त न था, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी अपनी सहायता रोक दी थी। भारत दोहरे घाटे - भुगतान असंतुलन तथा राजकोषीय घाटे से जूझ रहा था।

ऐसी विकट जटिलपूर्ण स्थिति में तत्कालीन नरसिम्हाराव सरकार ने बड़े स्तर पर आर्थिक सुधारों- उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण को धैर्य के साथ बिना हड़बड़ाहट के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विवेकपूर्ण तरीके से अपनाया, जिसका ही परिणाम है कि आज भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

धैर्य का ऐसा वाक्या स्वतंत्रता आंदोलन का है जहाँ गांधी जी की संघर्ष - विराम - संघर्ष की नीति है। असहयोग आंदोलन के दौरान जब जनता का धैर्य टूटा व आंदोलन हिंसक होने लगा गांधी जी ने धैर्य व अहिंसा के आधार आंदोलन को रोक दिया।

पुनः प्रश्न है कि धैर्य का समाज में क्या महत्व है?

धैर्य व्यक्ति में उस साहस को, जिजीविषा को व लगन को जन्म देता

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जिससे वह असंभव सी प्रतीत होने वाली चुनौतियों से पार पा जाता है। धैर्य ही है जो व्यक्ति के प्रयासों में अनुशासन के साथ निरंतरता बनाए रखता है। यही निरंतरता व यही अनुशासन छोटे-छोटे प्रयासों को एक बड़ी सफलता में तब्दील कर देता है।

उदाहरण के लिए 'मांझी द माउंटेन मैन' की कहानी धैर्य व साहस की कहानी है।

धैर्य न केवल बड़ी सफलताओं के लिए बुद्धि का मार्ग है बल्कि व्यक्तिगत, निजी संबंधों में व मधुरता व विश्वास कायम करने में भी महती भूमिका निभाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अब हमारे समक्ष एक प्रश्न है कि क्या होता जब धैर्य न होता तो? कल्पना कीजिए धैर्य के अभाव में यदि भारतीय संविधान सभा एक बिना सोचे समझे संविधान का निर्माण करती तो क्या यह संभव था कि 70 वर्षों के पश्चात भी यह पूर्णतः प्रासंगिक बना होता?

यह संविधान सभा के सदस्यों की धैर्य सहन का ही परिणाम था कि संविधान के प्रत्येक प्रावधान का बारीकी से विश्लेषण कर उसे संविधान में समाहित करना।

प्रश्न है कि क्या सदैव धैर्य रखना ही बुद्धि का मार्ग है? इसका प्रत्युत्तर होगा नहीं। कुछ परिस्थितियाँ ऐसी धैर्य के स्थान पर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

तात्कालिक कार्रवाई की माँग करती है। उदाहरण के लिए समाज में हो रहे सामाजिक - आर्थिक - राजनैतिक अन्याय के प्रति तात्कालिक कदम उठाना अपरिहार्य है।

यह ठीक उसी प्रकार है जैसे महाभारत में कृष्ण ने पाण्डवों को अन्याय के विरुद्ध धैर्य के स्थान पर साहस व बल से त्वरित कार्रवाई के लिए प्रेरित किया था।

इस प्रकार धैर्य सदैव अपनाने के स्थान पर, वह परिस्थिति ही यह निर्धारित करती है कि क्या उचित है।

अब प्रश्न है कि धैर्य को बुद्धि के मार्ग में कैसे और कहाँ अपनाया जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

धैर्य कैसे बुद्धि का पर्याय है → बुद्धिमान धैर्य रखता है
→ बुद्धिहीन अधीर हो जाता है

दृष्टि The Vision

धैर्य को अपनाने के लिए व्यक्ति में समभाव, दया, करुणा व तार्किक चिंतन का होना आवश्यक है। इन गुणों के साथ हम धैर्य को 'व्यक्तिगत स्तर से लेकर राष्ट्र तक', 'सूक्ष्म जीवन से संपूर्ण पृथ्वी तक' अपने निर्णयों में अपना सकते हैं।

संघर्षशील व साहसी व्यक्तियों के जीवन में धैर्य ही वह शक्ति का स्रोत होता है जो उन्हें विपरीत से विपरीत तथा दुष्कर परिस्थितियों में निडरता से लक्ष्य की ओर प्रेरित करता है। हमें भी एक समावेशी, संवेदनशील, सफल समाज के निर्माण हेतु धैर्य अपनाना चाहिए।

इसी संदर्भ में भक्तिकालीन संत कबीरदास ने भी धैर्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर कहा है कि -

"धीरे-धीरे रे मना,
धीरे सबकुछ होय.
माली सींचे सौ घड़ा
ऋतु आय तब फसल होय।"

good

69/120

Copyright – Drishti The Viston Foundation